KENDRIYA VIDYALAYA: KNOW THE PERSONALITY

बराक ओबामा

अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा पत्नी मिशेल ओबामा के साथ भारत की अपनी तीन-दिवसीय यात्रा पर 25/01/2015 दिल्ली पहुंचे । ओबामा अपना स्पेशल प्लेन **'एयरफोर्स वन'** से पालम एयरपोर्ट पहुचे। बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा को रिसीव करने के लिए प्रोटोकॉल तोड़ते हुए खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पालम एयरपोर्ट पर पहुंचे हुए थे। पीएम ने गले मिलकर गर्मजोशी से ओबामा का स्वागत किया। इसके बाद ओबामा अपनी स्पेशल कार **'द बीस्ट'** पर सवार होकर होटेल आईटीसी मौर्या आ गए। वह 2015 साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि है।

राजघाट पहुंचकर ओबामा ने बापू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए और कुछ देर मौन रहकर श्रद्धांजलि दी। ओबामा ने वहां पर पीपल का एक पौधा भी लगाया।

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के बाद ओबामा यहां राष्ट्रपति के 'एट होम' समारोह में भी शिरकत करेगे। इसके बाद वह प्रधानमंत्री के साथ उद्योगपतियों से बातचीत करेगे ।

जीवनी

बराक हुसैन ओबामा (जन्म: ४ अगस्त, १९६१) अमरीका के ४४वें राष्ट्रपति हैं। वे इस देश के प्रथम अश्वेत (अफ्रीकी अमरीकन) राष्ट्रपति हैं। उन्होंने २० जनवरी, २००९ को राष्ट्रपति पद की शपथ ली।

ओबामा हार्वर्ड लॉ स्कूल से १९९१ में स्नातक बनें, जहाँ वे हार्वर्ड लॉ रिव्यू के पहले अफ्रीकी अमरीकी अध्यक्ष भी रहे। १९९७ से २००४ इलिनॉय सेनेट में तीन सेवाकाल पूर्ण करने के पूर्व ओबामा ने सामुदायिक आयोजक के रूप में कार्य किया है और नागरिक अधिकार अधिवक्ता के रूप में प्रेक्टिस की है। १९९२ से २००४ तक उन्होंने शिकागो विधि विश्वविद्यालय में संवैधानिक कानून का अध्यापन भी किया। सन् २००० में अमेरिकी हाउस आफ रिप्रेसेंटेटिव में सीट हासिल करने में असफल होने के बाद जनवरी २००३ में उन्होंने अमरीकी सेनेट का रुख किया और मार्च २००४ में प्राथमिक विजय हासिल की। नवंबर २००३ में सेनेट के लिये चुने गये।

१०९वें काँग्रेस में अल्पसंख्य डेमोक्रैट सदस्य के रूप में उन्होंने पारंपरिक हथियारों पर नियंत्रण तथा संघीय कोष के प्रयोग में अधिक सार्वजनिक उत्तरदायित्व का समर्थन करते विधेयकों के निर्माण में सहयोग दिया। वे पूर्वी युरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका की राजकीय यात्रा पर भी गये। ११०वें काँग्रेस में लॉबिंग व चुनावी घोटालों, पर्यावरण के बदलाव, नाभिकीय आतंकवाद और युद्ध से लौटे अमेरीकी सैनिकों की देखरेख से संबंधित विधेयकों के निर्माण में उन्होंने सहयोग दिया। विश्वशांति में उल्लेखनीय योगदान के लिए **बराक ओबामा को वर्ष 2009 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है।**

प्रारंभिक जीवन

होनोलूलू में जन्में ओबामा किन्याई मूल के अश्वेत पिता व अमरीकी मूल की माता के संतान हैं। उनका अधिकांश प्रारंभिक जीवन अमरीका के हवाई प्रांत में बीता। ६ से १० वर्ष तक की अवस्था उन्होंने जकार्ता, इंडोनेशिया में अपनी माता और इंडोनेशियाई सौतेले पिता के संग बिताया। बाल्यकाल में उन्हें बैरी नाम से पुकारा जाता था। बाद में वे होनोलूलू वापस आकर अपनी ननिहाल में ही रहने लगे। १९९५ में उनकी माता का कैंसर से देहांत हो गया। ओबामा की पत्नी का नाम मिशेल है। उनका विवाह १९९२ में हुआ जिससे उनकी दो पुत्रियाँ हैं, मालिया तथा साशा। २ नवम्बर २००८ को ओबामा का आरंभिक लालन पालन करने वाली उनकी दादी मेडलिन दुनहम का 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

ओबामा हार्वड लॉ स्कूल से १९९१ में स्नातक बनें, जहाँ वे हार्वड लॉ रिव्यू के पहले अफ्रीकी अमरीकी अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने दो लोकप्रिय पुस्तकें भी लिखी हैं, पहली पुस्तक ड्रीम्स फ्रॉम माई फादरः अ स्टोरी आफ रेस एंड इन्हेरिटेंस का प्रकाशन लॉ स्कूल से स्नातक बनने के कुछ दिन बाद ही हुआ था। इस पुस्तक में उनके होनोलूलू व जकार्ता में बीते बालपन, लॉस एंजलिस व न्यूयॉर्क में व्यतीत कालेज जीवन तथा ८० के दशक में शिकागो शहर में सामुदायिक आयोजक के रूप में उनकी नौकरी के दिनों के संस्मरण हैं। पुस्तक पर आधारित आडियो बुक को २००६ में प्रतिष्ठित ग्रैमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उनकी दूसरी पुस्तक द ओडेसिटी आफ होप अक्तूबर २००६ में प्रकाशित हुई, मध्यावधि चुनाव के

महज़ तीन हफ्ते पहले। यह किताब शीघ्र ही बेस्टसेलर सूची में शामिल हो गई। पुस्तक पर आधारित आडियो बुक को भी २००८ में प्रतिष्ठित ग्रैमी पुरस्कार से नवाजा गया है। शिकागो ट्रिब्यून के अनुसार पुस्तक के प्रचार के दौरान लोगों से मिलने के प्रभाव ने ही ओबामा को राष्ट्रपति पद के चुनाव में उतरने का हौसला दिया।

राष्ट्रपति पद के नामांकन का सफर

५ जून, २००८ को यह लगभग तय हो गया था कि ओबामा की उम्मीदवारी के समर्थन में उनकी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी तथा पूर्व प्रथम महिला हिलेरी क्लिंटन अपनी दावेदारी छोड़ देंगी। अमेरीकी इतिहास में ओबामा न केवल पाँचवें अफ्रीकी अमरीकन सेनेटर हैं बल्कि लोकप्रिय वोट से चुने जाने वाले तीसरे और सेनेट में नियुक्त एकमात्र अफ्रीकी अमरीकन सेनेटर भी हैं।